UNIVERSITY NEWS 10NOVEMBER 2025

AMAR UJALA

सफलता के साथ मानसिक संतुलन जरूरी

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय के विधि संकाय में मिशन शक्ति के तहत मानसिक स्वास्थ्य जागरूकता सत्र हुआ। कार्यक्रम में नवयुग कन्या महाविद्यालय की मनोविज्ञान विभाग की प्रमुख डॉ. सृष्टि श्रीवास्तव ने कहा कि सफलता की आकांक्षा के साथ मानसिक संतुलन बनाए रखना जरूरी है। उन्होंने छात्रों को तनाव व चिंता से निपटने के व्यावहारिक उपाय बताए। अधिष्ठाता प्रो. आरके वर्मा ने छात्रों को आत्मविश्वास और सकारात्मक सोच बनाए रखने की प्रेरणा दी। सत्र का समन्वयन एसोसिएट प्रोफेसर डॉ. ऋचा सक्सेना ने किया। (माई सिटी रिपोर्टर)

मनाली में किया वनस्पतियों का अध्ययन

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय के वनस्पति विज्ञान विभाग ने स्नातकोत्तर विद्यार्थियों के लिए एक साथ दो शैक्षणिक भ्रमण आयोजित किए। एमएससी बॉटनी के विद्यार्थियों का फील्ड भ्रमण तीन से सात नवंबर तक हिमाचल प्रदेश के मनाली में हुआ। इस दल का नेतृत्व विभागाध्यक्ष प्रो. गौरी सक्सेना ने किया। प्रो. रत्ना कटियार और प्रो. अमृतेश चंद्र शुक्ल समन्वयक रहे। विद्यार्थियों ने ब्रायोफाइट्स, टेरीडोफाइट्स और जिम्नोस्पर्म्स का अध्ययन किया। इसी अवधि में डॉ. विकास कुमार और डॉ. आशा के नेतृत्व में एमएससी माइक्रोबायोलॉजी के विद्यार्थियों ने चंडीगढ़, मोहाली और सोलन के प्रमुख अनुसंधान संस्थानों जैसे आईआईएसईआर, आईसीएआर–नैब, सीआईएबी और डीएमआर सोलन का भ्रमण किया। (माई सिटी रिपोर्टर)

एआई के बढ़ते प्रभाव बताए

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय के गणित विभाग की ओर से आयोजित भारत गणित परिषद (एसीबीजीपी 2025) के 72वें वार्षिक सम्मेलन में रविवार को शामिल हुए विद्वानों का एक मंच पर प्रेरक मिश्रण देखने को मिला। पहले सत्र में आईआईटी कानपुर के प्रो. बीवी रथीश कुमार, आईआईटी रुड़की के प्रो. संजीव कुमार ने भौतिकी-सूचित मशीन लर्निंग के बारे में बताया। प्रो. अभय कुमार सिंह ने कोडिंग के सिद्धांत और एआई के बढ़ते प्रभाव के बारे में जानकारी दी। प्रो. जीबी पंत विश्वविद्यालय के प्रो. संजय कुमार ने कृत्रिम बुद्धिमत्ता के बारे में बताया। दूसरे सत्र में दिल्ली विश्वविद्यालय के प्रो. नाओकांत देव आकार संरक्षण पर जानकारी दी। (संवाद)

लविवि : बच्चों को श्रमिक बनाना है अपराध

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय के नवीन परिसर में विधि संकाय के विधिक सहायता केंद्र की ओर से राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण (नालसा) दिवस के मौके पर जागरूकता कार्यक्रम हुआ। इसमें छात्रों ने नुक्कड़ नाटक पेश कर महिलाओं के अधिकार, बाल श्रम और समानता जैसे मुद्दों पर प्रभावशाली संदेश दिया। बताया गया कि 14 वर्ष से कम उम्र के बच्चों से श्रमिक का कार्य लेना कानूनन निषेध है। कार्यक्रम का संचालन विधि संकाय के अधिष्ठाता प्रो. आरके. वर्मा, प्रो. अभिषेक कुमार तिवारी, डॉ. भावना, प्रो. एसपी. सिंह ने किया। (माई सिटी रिपोर्टर)

AMRIT VICHAR

मानसिक दबावों के बीच संतुलन जरूरी

अमृत विचार, लखनऊ: लखनऊ विश्वविद्यालय के विधि संकाय द्वारा मिशन शक्ति 2025 के अंतर्गत मानसिक स्वास्थ्य जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। आकांक्षाएं बनाम चिंताएं जीवन जीने की कला सीखना विषय पर आयोजित कार्यक्रम में मुख्य वक्ता डॉ. सृष्टि श्रीवास्तव, विभागाध्यक्ष, मनोविज्ञान विभाग, नवयुग कन्या महाविद्यालय लखनऊ रहीं। उन्होंने जीवन की आकांक्षाओं को प्राप्त करने की प्रक्रिया में उत्पन्न मानसिक दबावों (चिंताओं) के बीच संतुलन बनाए रखने की आवश्यकता पर प्रकाश डाला। इस अवसर पर प्रो. (डॉ.) आर. के. वर्मा, डॉ. ऋचा सक्सेना ने भी विचार रखे।

AMRIT VICHAR

नैनो तकनीक से तैयार पौधे खत्म करेंगे प्रदूषण

लखनऊ विश्वविद्यालय और उत्तराखंड, हिमाचल, पंजाब के विश्वविद्यालयों ने किया संयुक्त शोध

कार्यालय संवाददाता, लखनऊ

अमृत विचार: नैनो प्रौद्योगिकी के प्रयोग से सूक्ष्म कणों को तैयार किया गया है, जिनसे तैयार पौधे पर्यावरण प्रदूषण को नष्ट करेंगे। लखनऊ विश्वविद्यालय के वनस्पति विज्ञान विभाग की प्रोफेसर डॉ. अलका कुमारी ने देश के चुनिंदा वैज्ञानिकों के साथ मिलकर नैनो प्रौद्योगिकी संवर्धित पौध आधारित प्रदूषण नियंत्रण पर कार्य किया है। जिसे अंतरराष्ट्रीय पत्रिका में प्रकाशित किया गया है।

इस शोध का केंद्र फाइटोरिमेडिएशन है जो प्राकृतिक प्रक्रिया है। जिसमें पौधे प्रदूषित मिट्टी और जल को शुद्ध करने में मदद करते हैं। हालांकि अत्यधिक प्रदूषित क्षेत्रों में पौधों की वृद्धि और कार्यक्षमता अक्सर सीमित हो जाती है। इस चुनौती से निपटने के लिए शोध में नैनोमटेरियल्स के उपयोग को नए समाधान के रूप में प्रस्तुत किया गया है। नैनोमटेरियल्स अतिसूक्ष्म कण होते हैं, जो पौधों की क्षमता को बढ़ाते हैं ताकि वे हानिकारक रासायनिक पदार्थों को अधिक कुशलता से अवशोषित, विघटित या निष्क्रिय कर सकें।

फाइटोरिमेडिएशन का सांकेतिक चित्र।

- नैनो मटेरियल के प्रयोग से प्रदूषण से लड़ने में सक्षम होंगे पौधे

नैनोमटेरियल्स की भूमिका

- शोध में बताया गया है कि लोहा, जिंक ऑक्साइड, टाइटेनियम डाइऑक्साइड, कार्बन नैनोट्यूब्स, ग्राफीन और बायोचार जैसे नैनोमटेरियल्स पौधों की प्रदूषण सहन करने की क्षमता बढ़ाते हैं। साथ ही उनकी वृद्धि में सुधार करते हैं, और मिट्टी में उपयोगी सूक्ष्मजीवों की सक्रियता को प्रोत्साहित करते हैं। इन सभी के संयुक्त प्रभाव से पौधे भारी धातुओं, कीटनाशकों, रंगों और माइक्रोप्लास्टिक जैसे खतरनाक प्रदूषकों को पर्यावरण से अधिक तेजी से हटाने में सक्षम होते हैं।

हरित तकनीकों की दिशा में कदम

- वैज्ञानिकों का कहना है कि प्रयोगशाला स्तर पर परिणाम अत्यंत उत्साहजनक हैं। विशेष रूप से इस बात पर जोर दिया गया है कि ग्रीन सिंथेसिस तकनीक जिसमें नैनोमटेरियल्स का निर्माण पौधों के अर्क या सूक्ष्मजीवों की मदद से किया जाता है को अपनाना सतत् और पर्यावरण सुरक्षित समाधान सुनिश्चित कर सकता है।

> यह शोध पारंपरिक पौध आधारित पर्यावरणीय समाधानों को आधुनिक नैनोप्रौद्योगिकी के साथ जोड़ने की दिशा में एक बड़ा कदम है। ऐसी नवाचारपूर्ण तकनीकें हमें प्रदूषण की समस्या से पर्यावरण अनुकूल, किफायती और टिकाऊ तरीके से निपटने में मदद कर सकती हैं।
>
> -प्रो. अलका कुमारी, लखनऊ विश्वविद्यालय

इन वैज्ञानिकों ने किया शोध

- वनस्पति वैज्ञानिकों डॉ. निरेश कुमार, डॉ. रुचिका देवी, डॉ. सुशीला देवी, डॉ. सोमवीर सिंह, डॉ. आनंद सिंह बिष्ट, डॉ. जितेंद्र कुमार, डॉ. अलका कुमारी, डॉ. नेहा नेहा, डॉ. सान्या चौहान, डॉ. आरती शर्मा और डॉ. राहुल कुमार के संयुक्त प्रयास का परिणाम है।

ये संस्थान रहे शामिल

- लखनऊ विश्वविद्यालय, हिमाचल प्रदेश विश्वविद्यालय, स्टेट यूनिवर्सिटी ऑफ हिमाचल प्रदेश, वी.सी.एस.जी. उत्तराखंड यूनिवर्सिटी ऑफ हॉर्टिकल्चर एंड फॉरेस्ट्री, यूनिवर्सिटी इंस्टिट्यूट ऑफ बायोटेक्नोलॉजी (मोहाली), अभिलाषी विश्वविद्यालय (मंडी) व डीएवी विश्वविद्यालय (जालंधर) शामिल हैं।

गणित में उभरते रुझानों पर हुआ मंथन

72वां भारतीय गणित परिषद का सम्मेलन सम्पन्न

कार्यालय संवाददाता, लखनऊ

अमृत विचार: लखनऊ विश्वविद्यालय में भारत गणित परिषद के वार्षिक सम्मेलन में आधुनिक समाज में गणित के योगदान और प्रयोग पर मंथन किया गया। शुद्ध व अनुप्रयुक्त गणित में उभरते रुझानों पर भी गणितज्ञों ने प्रकाश डाला।

प्रो. अमीन सोफी और डॉ. निधि पांड्या की अध्यक्षता में प्रो. ऑगस्टा विश्वविद्यालय, अमेरिका से अर्नी एस. राव ने ब्राउनियन गति से होकर गुजरती गेंद पर जॉर्डन वक्र प्रमेय विषय पर व्याख्यान दिया। उनके विचारोत्तेजक व्याख्यान ने एक समृद्ध अकादमिक आदान-प्रदान के दिन का मंच तैयार किया। गणित और कृत्रिम बुद्धिमत्ता पर संगोष्ठी में गणितीय सिद्धांत और आधुनिक कम्प्यूटेशनल तकनीकों के बढ़ते अंतर्संबंध पर चर्चा की गई। प्रो. सत्य देव की अध्यक्षता और डॉ. विनीत कुमार वर्मा और डॉ. अंकित बाजपेयी की सह अध्यक्षता में आयोजित सत्र में प्रो. बी. वी. रथीश कुमार (आईआईटी कानपुर), प्रो. संजीव कुमार (आईआईटी रुड़की), प्रो. अभय कुमार सिंह (आईएसएम धनबाद), प्रो. संजय कुमार (जीबी पंत विश्वविद्यालय, पंतनगर) शामिल रहे।

युवा वैज्ञानिक पुरस्कार दिया गया

- युवा वैज्ञानिक पुरस्कार पत्र प्रस्तुति सत्र प्रो. यूसी डे और प्रो. रवि पी गुप्ता की अध्यक्षता में आयोजित किया गया। जिसकी सह अध्यक्षता डॉ. संजय कुमार ने की जहां शोधकर्ताओं ने अपने नवोन्मेषी कार्य प्रस्तुत किए। बेस्ट पेपर एंड इट्स प्रेजेंटेशन अवार्ड डॉ. फैज अंसारी और संस्कृति जैन को दिया गया।

विधिक जागरूकता कार्यक्रम आयोजित

अमृत विचार, लखनऊ: लखनऊ विश्वविद्यालय के विधिक सहायता केंद्र ने राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण दिवस के उपलक्ष्य में विधिक जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया। यह आयोजन समाज में विधिक साक्षरता और संवेदनशीलता को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से किया गया। कार्यक्रम का आयोजन प्रो. आर. के. वर्मा, प्रो. अभिषेक कुमार तिवारी, डॉ. भावना, उपाध्यक्ष, प्रो. एस. पी. सिंह और वाजिद खान के मार्गदर्शन में संपन्न हुआ। इस अवसर पर "कार्यस्थल पर महिलाओं का यौन उत्पीड़न (रोकथाम, निषेध और निवारण) अधिनियम, 2013" पर एक विशेष जानकारी दी गई।

DAINIK JAGRAN

जासं • लखनऊ : लखनऊ विश्वविद्यालय एवं सहयुक्त महाविद्यालयों के स्नातक व परास्नातक विषम सेमेस्टर के छात्र–छात्राओं के पास परीक्षा फार्म भरने का अंतिम दिन सोमवार को है। अभी तक जिन्होंने फार्म नहीं भरा है, वे भर सकते हैं। वहीं, विभागों एवं संकायाध्यक्ष कार्यालय को जमा किए गए परीक्षा फार्म 15 नवंबर तक परीक्षा विभाग में जमा करना होगा। कालेजों को भी इसी तिथि तक फार्म जमा करने का समय दिया गया है।

आज से जूलाजी की प्रयोगात्मक परीक्षाएं

जासं • लखनऊ : नेशनल पीजी कालेज में बी.एससी जूलाजी तीसरे व पांचवें सेमेस्टर परीक्षाओं की समय सारिणी जारी की गई है। तीसरे सेमेस्टर की परीक्षाएं 10 नवंबर और पांचवें सेमेस्टर की 15 नवंबर को आयोजित की जाएंगी। वहीं, बीवाक बैंकिंग एंड फाइनेंस प्रथम सेमेस्टर की प्रयोगात्मक परीक्षा 15 नवंबर को होगी।

अकादमिक भ्रमण में पौधों से रूबरू हुए विद्यार्थी

लखनऊ : लखनऊ विश्वविद्यालय के वनस्पति विज्ञान विभाग के स्नातकोत्तर विद्यार्थियों के लिए दो अकादमिक भ्रमण आयोजित किए गए। एम.एससी बाटनी तीसरे सेमेस्टर के विद्यार्थियों ने हिमाचल प्रदेश स्थित मनाली का भ्रमण किया। नेतृत्व विभागाध्यक्ष प्रो. गौरी सक्सेना ने किया। भ्रमण के दौरान विद्यार्थियों ने नमीदार एवं छायादार क्षेत्रों, विशेषकर झरनों के समीप एवं ढलानदार स्थलों पर उगने वाले ब्रायोफाइट्स और टेरीडोफाइट्स का अध्ययन किया। मुख्य शंकुधारी पौधों के कोन की संरचना, लकड़ी की बनावट तथा उनके पारिस्थितिक और आर्थिक महत्व को देखा।

वहीं, एम.एससी माइक्रोबायोलाजी तीसरे सेमेस्टर के विद्यार्थियों ने चंडीगढ़ एवं आसपास के वैज्ञानिक एवं अनुसंधान संस्थानों का भ्रमण किया। नेतृत्व डा. विकास कुमार एवं डा. आशा ने किया। विद्यार्थियों ने पंजाब विश्वविद्यालय के सूक्ष्म जीव विज्ञान विभाग, राक गार्डन और सुखना झील का भ्रमण कर कला, रचनात्मकता एवं पारिस्थितिकी के समन्वय की सराहना की। वि.

'संस्थानों में गणितीय शिक्षा एवं अनुसंधान को दें बढ़ावा'

लवि में हुए वार्षिक सम्मेलन में संस्कृति जैन को युवा वैज्ञानिक पुरस्कार से सम्मानित करतीं भारत गणित परिषद की अध्यक्ष प्रो. पूनम शर्मा व अन्य • सौ. विभाग

जासं • लखनऊ : लखनऊ विश्वविद्यालय के गणित विभाग में हुई भारत गणित परिषद की आम सभा में सदस्यों ने भविष्य की पहल के साथ सहयोगात्मक अवसरों पर विचार किया। विभिन्न संस्थानों में गणितीय शिक्षा एवं अनुसंधान को बढ़ावा देने के लिए प्रोत्साहित किया।

परिषद के 72वें वार्षिक सम्मेलन में प्रो. अमीन सोफी और डा. निधि पांड्या की अध्यक्षता में आगस्टा विश्वविद्यालय अमेरिका से अर्नी एस. राव ने ब्राउनियन गति से होकर गुजरती गेंद पर जार्डन वक्र प्रमेय को समझाया। इसके बाद गणित में आर्टीफिशियल इंटेलीजेंस (एआइ) उपयोग पर बात की गई। प्रो. सत्य देव की अध्यक्षता, डा. विनीत वर्मा और डा. अंकित बाजपेयी की सह-अध्यक्षता में आयोजित इस सत्र में वक्ताओं ने कहा कि भविष्य एआइ का है। गणितज्ञ इसके प्रयोग को बढ़ावा दें। आइआइटी कानपुर के प्रो. बीवी रथीश कुमार, आइआइटी रुड़की के प्रो. संजीव कुमार, आइएसएम धनबाद के प्रो. अभय कुमार सिंह व जीबी पंत विश्वविद्यालय, पंतनगर के प्रो. संजय कुमार ने भी विचार रखे। इसके बाद प्रो. यूसी डे और प्रो. रवि पी गुप्ता की अध्यक्षता में युवा वैज्ञानिक पुरस्कार पत्र प्रस्तुति सत्र में कई शोधार्थियों ने अपने पत्र प्रस्तुत किये। बेस्ट पेपर एंड इट्स प्रेजेंटेशन अवार्ड डा. फैज अंसारी व संस्कृति जैन को मिला। परिषद के सचिव पंकज माथुर ने गणितीय विज्ञान में अनुसंधान, नवाचार और सहयोग को बढ़ावा देने की प्रतिबद्धता दोहराई।

HINDUSTAN

गणित कोडिंग सिद्धांत और एआई का प्रभाव समझाया

72 वें वार्षिक सम्मेलन का समापन हुआ

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय के गणित विभाग द्वारा आयोजित भारत गणित परिषद (एसीबीजीपी 2025 2025) के 72वें वार्षिक सम्मेलन का समापन रविवार को हो गया। दो दिवसीय इस सम्मेलन में विद्वानों के व्याख्यानों और जीवंत अकादमिक चर्चाओं का प्रेरक मिश्रण देखने को मिला।

ऑगस्टा विश्वविद्यालय, अमेरिका के अर्नी एस. राव ने 'ब्राउनियन गति से होकर गुजरती गेंद पर जॉर्डन वक्र प्रमेय' पर व्याख्यान दिया। मुख्य आकर्षण 'गणित और कृत्रिम बुद्धिमत्ता' पर आयोजित संगोष्ठी रही, जिसमें गणितीय सिद्धांत और आधुनिक कम्प्यूटेशनल तकनीकों के अंतर्संबंध पर गहन चर्चा हुई। आईआईटी कानपुर के प्रो. बी. वी. रथीश कुमार ने पीओ-डीएनएन-नेट पर, आईआईटी रुड़की के प्रो. संजीव कुमार ने फिजिक्स-इनफॉर्म्ड मशीन लर्निंग और जीबी पंत विश्वविद्यालय के प्रो. संजय कुमार ने फजी लॉजिक पर व्याख्यान दिया। सम्मेलन में डॉ. फैज अंसारी और संस्कृति जैन को बेस्ट पेपर एंड इट्स प्रेजेंटेशन अवार्ड से सम्मानित किया गया।

विद्यार्थियों ने आधुनिक डिजिटल टूल सीखे

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय नवीन परिसर के कौटिल्य हॉल में द स्टूडेंट ओएस शीर्षक से कार्यशाला हुई। जिसमें बी.टेक, फार्मेसी और मैनेजमेंट संकायों के 50 छात्रों ने हिस्सा लिया। कार्यशाला का उद्देश्य विद्यार्थियों आधुनिक डिजिटल टूल्स के माध्यम से अध्ययन, परियोजनाओं और व्यक्तिगत कार्यों को सुव्यवस्थित करने का व्यावहारिक अनुभव प्रदान करना था।

I NEXT

पौधों से रूबरू हुए एलयू के स्टूडेंट्स

स्टूडेंट्स के लिए दो अकादमिक टूर आयोजित किए गए

LUCKNOW (9 NOV): लखनऊ विश्वविद्यालय के वनस्पति विज्ञान विभाग के स्नातकोत्तर विद्यार्थियों के लिए दो अकादमिक भ्रमण आयोजित किए गए. एमएससी बाटनी तीसरे सेमेस्टर के विद्यार्थियों ने हिमाचल प्रदेश स्थित मनाली का भ्रमण किया. इसका नेतृत्व विभागाध्यक्ष प्रो. गौरी सक्सेना ने किया. यहां भ्रमण के दौरान विद्यार्थियों ने नमीदार एवं छायादार क्षेत्रों, विशेषकर झरनों के समीप एवं ढलानदार स्थलों पर उगने वाले ब्रायोफाइट्स और टेरीडोफाइट्स का गहन अध्ययन किया. इसके अलावा मुख्य शंकुधारी पौधों के कोन की संरचना, लकड़ी की बनावट तथा उनके पारिस्थितिक और आर्थिक महत्व को देखा.

[illegible] की उन्नत खोजें देखी

एमएससी माइक्रोबायोलाजी तीसरे सेमेस्टर के विद्यार्थियों ने चंडीगढ़ एवं आसपास के वैज्ञानिक एवं अनुसंधान संस्थानों का अकादमिक भ्रमण किया. इसका नेतृत्व डा. विकास कुमार एवं डा. आशा ने किया. विद्यार्थियों ने पंजाब विश्वविद्यालय के सूक्ष्म जीव विज्ञान विभाग, राक गार्डन और सुखना झील का भ्रमण कर कला, रचनात्मकता एवं पारिस्थितिकी के समन्वय की सराहना की.